

गणक , काल्या और दुई बिपाही बणी रामगढ भेजुदु कि पख छिटि  
**loot-maar** पालू भाफ्टपियर **ordered** करी देया ।

बभी रामगढ पहुँचदा और हला शुरू करदा : अणे पो ठाकुर का अच्छा कख छ पू लूट-मार पालू भाफ्टपियर,  
आखरी तारीख कख की चलिगी

ठाकुर नाराज होइक : अणे पो हला नी करी, जैक गणक भी ओल दी कि ठाकुर भाफ्टपियर पालू न पागल  
कतू क तैं भाफ्टपियर अणौणू अन्ह करीली

काल्या : अणे पो ठाकुर अहुत गरमी नि दिखौप ? कोइ नयु प्रोग्रामर खरीदी ली क्या ?

ठाकुर : जना नजर डठैक देख तेरा कपाल पर पापरखिलडर मंडराणू छ

काल्या न ठखू देखी त फिर (धर्मैक) एक कम्प्यूटर पर काम करणू छ और जय (अमिताभ) हैका कम्प्यूटर  
“लैखटाप” पर । काल्या न हनणूँ भुर करी : हा... .. | हा... .. | हा... .. | ठाकुर न नया छोकर की भरती  
करिली क्या । यी नया छोरा प्रोग्रामिंग करला क्या ? यूँ बणी त DOS commands भी नि औन्की होली

फिर जोर भी हला करदू : चुप-चाप चली जा कुते । हम लोग consultants छ कुछ भी करी सकदा

जय न कुछ commands keyboard भी हिट करी और फिर ओली : जा थे ये काल्या , गणक भी ओली  
कि तैकू server down होयूँ छ

AT GABBAR'S DEN...

गणक : कति bugs थे

काल्या : " दुई भरकार."

गणक : यि दुई ! और तुम तीन । फिर भी फिक्स नि करि सकी ? क्या ओचि क आया छ ? गणक अहुत  
खुश होलू ? नया assignment देलू और increment भी ? येकि सजा जरूर मिललि... .. ओखर मिललि

[ गणक साम्हा भी पुछदू ]. "अरी पो साम्हा कति sessions छ यी मशीन मा ?"

साम्हा : " छै भरकार."

गणक : " sessions छे और प्रोग्रामर तीन । अहुत नाइन्भाफी छ [logout - logout - logout]. " हँ अख  
ठीक छ... .. अख तेकर क्या होलू काल्या?"

काल्या : " भरकार मेन आपकू कोड लिखि थे."

गणक : " त अख documentation कर"